प्रेस नोट

वनों में संकट ग्रस्त एंवम विलुप्तप्रायः प्रजातियों का संरक्षण तथा रक्षण वन कर्मचारियों के लिए एक चुनौती है । ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क भी इसका अपवाद नहीं है । इन बहुमूल्य प्राकृतिक स्त्रोतों की रक्षा करने हेतु नेशनल पार्क का स्टाफ वर्ष भर समूहों में पार्क के अन्दर दूर दराज़ क्षेत्रों में गशत करते रहते हैं । इसी कड़ी में वन परिक्षेत्र अधिकारी वन्य प्राणी सैन्ज श्री दिनेश कुमार ने श्री नरोतम सिंह उप वन राजिक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया जिसमें सर्व श्री कविन्द्र कुमार वन रक्षक, विनय कुमार वन रक्षक व निशान्त कुमार वन रक्षक वतौर सदस्य थे । इस टीम ने पिछले 10 दिनों से 28 कि0 मी0 अन्दर जंगल में कैम्प लगाकर कम्बिंग आपरेशन करके रक्तिसर क्षेत्र का चपा चपा छान मारा ।

कम्विंग आपरेशन के दौरान टीम को उन समगलरों के अस्थाई डेरे मिले जो विना वैध परमिट के पार्क क्षेत्र में घूमते रहते हैं । इन डेरों की खोजवीन करने पर टीम को औषधिये जड़ी वूटियों की वड़ी खेप हाथ लगी जिसकी पहचान वन लहसुन के तौर पर हुई । काफी मुशकिल के बाद टीम ने लगभग 70 किलो ग्राम वन लहसुन और उसको खोदने में इस्तेमाल किये गये औजारों को जब्त करने में कामयावी हासिल की । वन मण्डल अधिकारी नेशनल पार्क डा0 कृपाशंकर एम0 ने इस वन लहुसन का निरिक्षण किया तथा टीम को निर्देश दिये कि आपराधियों के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत यथा संम्भव कार्यवाही अमल में लाई जाये ।

अरण्यपाल नेशनल पार्क शमशी श्री बी0 एस0 राणा ने खबर की पुष्टि की तथा उन्होंने जड़ी वूटी के इस अवैध धन्धे को रोकने के लिए स्टाफ की भूरी-भूरी प्रशंसा की और उन्हें निर्देश दिये कि सामूहिक गशत को और तेज करें तथा पार्क के अन्दर जाने व वाहर आने वाले स्थानों पर ट्रैप कैमरा स्थापित करके जड़ी वूटियों के इस अवैध धन्धे पर अकुंश लगाने का प्रयास करें । उन्होंने स्थानीय लोगों का भी इस अवैध धन्धे को रोकने में वन स्टाफ का साथ देने के लिए धन्यवाद किया ।

अरण्यपाल,
नेशनल पार्क शमशी ।